राज्यपाल सचिवालय, विहार
राजभवन, पटना–800022
प्रेस–विज्ञप्ति

राजभवन में आयोजित 'बाल दिवस–समारोह में राज्यपाल बोले–'दुनिया में सबसे ताकतवर है शिक्षा'

पटना, 14 नवम्बर 2017

''शिक्षा से बढ़कर दुनियाँ में कोई चीज ताकतवर नहीं। इसके जरिये सब कुछ हासिल किया जा सकता है। जो बच्चे बेहतर ढंग से शिक्षा हासिल कर लेते हैं, फिर आसमान ही उनकी सीमा होती है।'' –ये भावपूर्ण उद्‌गार, महामहिम राज्यपाल श्री सत्य पाल मलिक ने राजभवन संचालित 'बिहार राज्य बाल कल्याण परिषद्' के द्वारा राजभवन परिसर स्थित राजेन्द्र मंडप में आयोजित 'बाल दिवस–समारोह' को संबोधित करते हुए व्यक्त किये।

बच्चों को संबोधित करते हुए अपने अत्यन्त मार्मिक उद्‌गार में राज्यपाल श्री मलिक ने कहा कि डेढ़ वर्ष के बाल्यकाल में ही जब मुझसे पिता की छत्र–छाया छीन गयी, तब से बाद की जिन्दगी में सिर्फ शिक्षा ही मुझे आगे बढ़ाते रहने में मददगार साबित हुई। उन्होंने बच्चों से गुजारिश की कि वे खूब पढ़ें और सतत् आगे बढ़ते रहें।

राज्यपाल ने बच्चों में 'चाचा नेहरू' के रूप में विख्यात् भारत के प्रथम प्रधानमंत्री स्व॰ पं॰ जवाहर लाल नेहरू के बारे में एक संस्मरण सुनाते हुए बताया कि प्रधानमंत्री निवास में जामुन के वृक्षों के फलों की नीलामी एक बार बागवानी विभाग ने कर दी। पं॰ नेहरू को जब यह जानकारी मिली तो वे काफी नाराज हुए और जामुन के फलों को प्रधानमंत्री–निवास के कर्मियों के बच्चों के बीच बँटवाने का आदेश दे दिया। राज्यपाल ने कहा कि पं॰ नेहरू बच्चों के प्रति अपनी ऐसी ही संवेदनशीलता के कारण काफी लोकप्रिय हुए। यही कारण है कि उनकी जयंती को 'बाल दिवस' के रूप में आयोजित किया जाता है।

राजभवन में आयोजित 'बाल दिवस–समारोह' में आज 'किलकारी', बाल्डवीन एकेडमी, इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, राजभवन राजकीय कन्या विद्यालय के बच्चों द्वारा रंगमय सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

'सांस्कृतिक कार्यक्रम' की प्रतियोगिता में 'किलकारी' के बच्चों के उड़िया नृत्य 'गोटी पुआ' को प्रथम, राजकीय कन्या मध्य विद्यालय के 'स्वच्छता अभियान नृत्य' को द्वितीय, बाल्डवीन एकेडमी के बच्चों के नृत्य कार्यक्रम –'उड़ान' को तृतीय तथा इंटरनेशनल स्कूल की प्रस्तुति 'बालिका शिक्षा नृत्य' को सांत्त्वना पुरस्कार राज्यपाल द्वारा प्रदान किये गये।

राज्यपाल ने चित्रांकन प्रतियोगिता के विभिन्न उम्र–वर्गों में अलग–अलग प्रथम पुरस्कार प्राप्त करनेवाले बाल–चित्रकारों –नव्या सिंह, शान्वी प्रिया, मो॰ कमाल अरशद, सी॰पी॰ रूचि, अमृता कुमारी तथा एम॰आर॰ युवराज एवं दिव्यांग कोटि के बच्चों में –चंदना मुखर्जी, अभिषेक गुप्ता, जोनिदा, स्वाति कुमारी आदि को भी ट्रॉफियाँ पुरस्कारस्वरूप प्रदान की।

कार्यक्रम में जूडो–कराटे में राज्य को अन्तर्राष्ट्रीय पहचान दिलाने वाली छोटी बच्ची आद्या को भी राज्यपाल ने ट्रॉफी प्रदान की। बाल कलाकारों के साथ राज्यपाल की समूह फोटोग्राफी भी हुई।

कार्यक्रम में स्वागत–भाषण राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री ब्रजेश मेहरोत्रा, धन्यवाद–ज्ञापन अपर सचिव श्री विजय कुमार एवं कार्यक्रम संचालन श्रीमती सोमा चक्रवर्ती ने किया।

.....